हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 218 | 05 अगस्त 2025 मंगलवार | हाथरस | पृष्ठ 8 | मूल्य ~~2~~/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

सहारनपुर में सीएम योगी का सपा–कांग्रेस पर निशानाः बोले...

इनका कृत्य देश के लिए अपराध

● सीएम योगी बोले.... आतंकी वारदात को संरक्षण देने में दोनों पार्टियां आगे, मंच पर पहुंचते लगे जय श्रीराम के नारे

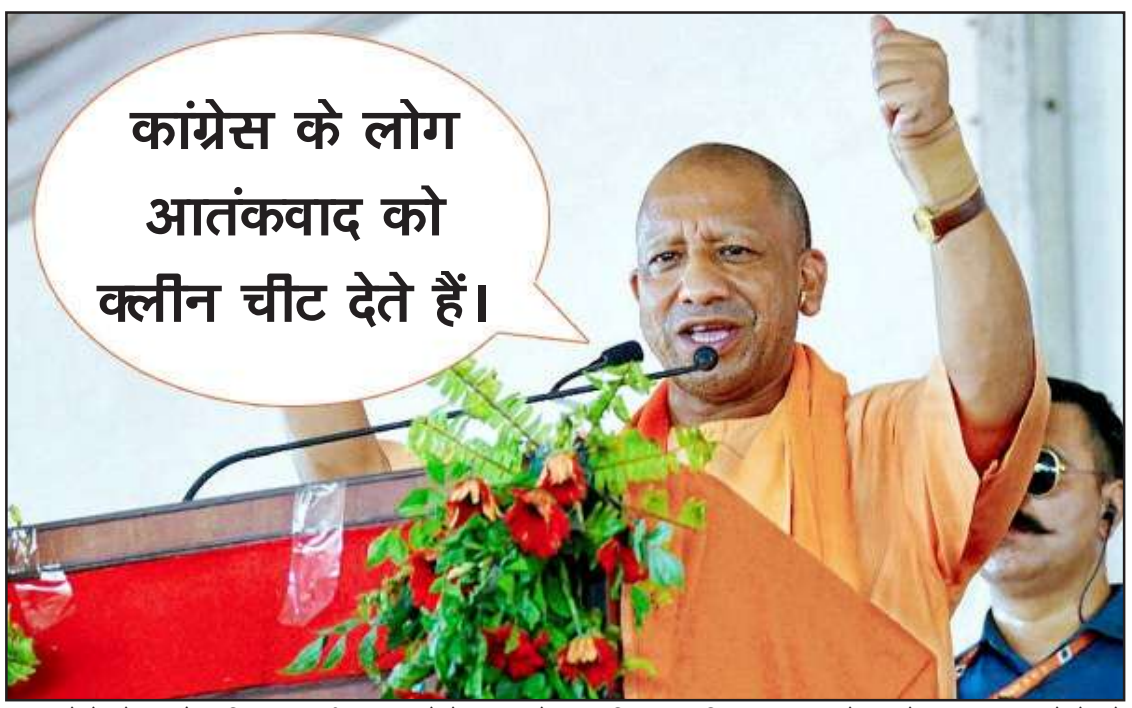

सहारनपुर,(एजेंसी)। सीएम योगी सोमवार को सहारनपुर पहुंचे। यहां ध्381 करोड़ की 15 विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र भी वितरित किया। इस दौरान योगी के मंच पर पहुंचते ही जय श्रीराम के जयकारे लगे। सीएम योगी ने कहा– महाकुंभ की सफलता से विपक्ष के लोग परेशान हैं। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोगों को परेशानी हो रही थी कि सनातन धर्म का वैभव और गौरव इतना ऊंचा कैसे हो रहा है। क्योंकि इन लोगों की संवेदना एक गरीब, एक नौजवान के साथ नहीं होती है। इनको भारत के विरासत पर गौरव की अनुभूति नहीं होती है। भारत और भारतीयता आगे बढ़ता है तो इन्हें परेशानी होती है। लेकिन आतंकी वारदात को संरक्षण देने में सपा–कांग्रेस आगे रहती है। सीएम बोले– कांग्रेस का कृत्य देश के लिए अपराध सीमए योगी ने कहा–2 घटनाओं का कोर्ट ने निर्णय करते हुए कार्य किया। पहला कांग्रेस के कार्यकाल में मालेगांव में हुए विस्फोट में कैसे तत्कालीन कांग्रेस की सरकार और उसके सहयोगी दलों ने सभी हिन्दू नेताओं को अभियुक्त बनाने की कुचित्स चेष्टा कैसे की थी। ये एटीएस के खुलासे से सारे तथ्य सामने आ रहे हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का ये कृत्य राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में आता है। आतंकवाद के प्रति साफ्ट और राष्ट्रवादी संगठनों के लिए क्रूर और बर्बर बन करके उनको पूरी तरह से समाप्त करने की चेष्टा एक आतंकी कृत्य है। और कांग्रेस का यह कृत्य देश के लिए अपराध था। इससे पहले सीएम योगी ने सर्किट हाउस मंडलीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसके बाद कानून व्यवस्था की भी समीक्षा की। जाहरवीर गोगा के पावन स्थल को देखने का मौका मिला जाहरवीर गोगा के बारे में लोग कहते हैं कि 900 साल पहले पराक्रमी योद्धाओं के रूप में विदेशी आक्रांताओं से देश की धरती को बचाने में अपना योगदान दिया था। फिर भगवान गोरक्षनाथ की शरण में जाकर समाधि गोगा मेढ़ी में ली थी। भादो महीने में लाखों श्रद्धालु वहां दर्शन करते हैं। आज मुझे उनके पावन स्थल को देखने का मौका मिला। बहुत अच्छा पावन स्थल बनाया गया है। सुंदरीकरण के तहत कैसा काम होता है।

भीषण हादसे में पांच कांवड़ियों की मौत, चार घायल

भागलपुर,(एजेंसी)। पांच लोगों की मौत के विरोध में लोगों ने सड़क पर जमकर बवाल किया। लोगों ने शाहकुंड थाने के मेन गेट पर शवों को रखकर जाम कर दिया और हंगामा करने लगे। परिजनों का आरोप है कि सभी की मौत करंट लगने हुई है। भागलपुर में भीषण हादसे में पांच कांवरियों की मौत हो गई। वहीं चार कांवरियों की हालत गंभीर है। घटना शाहकुंड–सुल्तानगंज सड़क पर बेलथू के महतो स्थान के पास हुई है। बताया जा रहा है कि टेम्पो को ओवरटेक कर आगे बढ़ने के चक्कर में पिकअप वैन के चालक को बिजली का तार नहीं दिखा।

पिकअप वैन बिजली के तार के संपर्क में आ गई। देखते ही देखते पूरी गाड़ी में करंट फैल गया। इस सवार यात्री फौरन 30 फिट नीचे पानी में कूद गए और गाड़ी भी इनके ऊपर गिर गए। हादसा इतना भीषण था कि पांच लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जमकर बवाल किया इधर, घटना के आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जमकर बवाल किया। लोगों ने शाहकुंड थाने के मेन गेट के बाद शवों को रख दिया और हंगामा करने लगे। उनका आरोप है कि सभी की मौत करंट लगने से हुई है। रविवार को देर रात 11 बजे बिजली के तार के संपर्क में आने से पांचों की मौत हो गई। इसके बाद पिकअप वैन 30 नीचे नदी में गिर गई। मरने वाले सभी शाहकुंड के रहने वालों थे। इनमें से पुरानी खेरही के तीन और कसवा खेरही गांव के दो लोग थे। गंगा स्नान के लिए सुल्तानगंज जा रहे थे सभी लोग घायल अभिषेक कुमार ने बतया कि 10 लोग पिकअप वैन पर बैठकर गंगा स्नान के लिए सुल्तानगंज जा रहे थे। वहां से जल भरकर जेठौर नाथ मंदिर में पूजा करने वाले थे। महतो स्थान के यह हादसा हुआ। करंट से बचने के लिए मैं सभी लोगों के साथ नदी में कूंद गया। इसमें पांच लोगों की जान चली गई। घटना के बाद से पिकअप वैन का चालक लापता है। पुलिस जेसीबी से उसकी तलाश कर रही है।

'विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी बात कहें'

● सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते, आपको पता कैसे चला? चीनी कब्जे वाले बयान पर राहुल से 'सुप्रीम' सवाल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक मुकदमे की सुनवाई के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से तीखे सवाल पूछे। कोर्ट ने उनसे पूछा, श्आपको कैसे पता है कि चीन ने भारत की जमीन हड़प ली है?श अदालत ने राहुल को ऐसी टिप्पणी करने से बचने की नसीहत भी दी। जानिए क्या है पूरा मामला भारतीय सेना पर टिप्पणी करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा कि उन्हें कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर चीन ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय सामग्री है? श्विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी बात कहेंश सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को ऐसे बयान देने से बचने की नसीहत देते हुए कहा, श्आप विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी बात कहें, सोशल मीडिया पर नहीं। बता दें कि सेना पर टिप्पणी करने के इस मामले में समन के खिलाफ राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। राहुल गांधी की ओर अभिषेक सिंघवी ने रखा तर्क इस दौरान राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अगर विपक्ष के नेता मुद्दे नहीं उठा सकते, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। अभिषेक सिंघवी ने कहा, श्अगर वह प्रेस में छपी ये बातें नहीं कह सकते, तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते।श पीठ की सच्चे भारतीय टिप्पणी पर अभिषेक सिंघवी ने जवाब दिया, श्यह भी संभव है कि एक सच्चा भारतीय कहे कि हमारे 20 भारतीय सैनिकों को पीटा गया और मार डाला गया। यह भी चिंता का विषय है।श श्राहुल गांधी के पास एक उचित मंच मौजूद थाश इसके बाद शीर्ष अदालत ने कहा, श्जब सीमा पार संघर्ष होता है, तो क्या दोनों पक्षों में हताहत होना असामान्य है?श इस पर अभिषेक सिंघवी ने कहा कि राहुल गांधी केवल उचित जानकारी देने और सूचना के दमन पर चिंता जताने की बात कर रहे थे। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि एक जिम्मेदार विपक्ष नेता होने के नाते, राहुल गांधी को ऐसा नहीं करना चाहिए था क्योंकि ऐसे सवाल उठाने के लिए एक उचित मंच मौजूद था। इस बात से सहमत होते हुए कि राहुल गांधी बेहतर तरीके से टिप्पणी कर सकते थे, अभिषेक सिंघवी ने कहा कि शिकायत याचिकाकर्ता को परेशान करने के प्रयास के अलावा और कुछ नहीं है। इस दौरान उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 223 का हवाला दिया।

रक्षाबंधन पर योगी सरकार का बहनों को तोहफा, तीन दिनों तक पूरी तरह से मुफ्त रहेगी बस यात्रा

लखनऊ। रक्षाबंधन पर महिलाओं को तोहफा देते हुए योगी सरकार ने आठ अगस्त से लेकर दस अगस्त तक महिलाओं का परिवहन निगम की बसों में सफर फ्री कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाढ़ राहत कार्य में लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीएम ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि बाढ़ शरणालय में महिला सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की जाए। वहीं बच्चों के लिए दूध उपलब्ध कराने और रेस्क्यू कार्य में छोटी–मझली नाव का प्रयोग न करने के सख्त हिदायत भी दी। वह रविवार को अपने सरकारी आवास पर बाढ़ग्रस्त इलाकों में राहत कार्य की समीक्षा कर रहे थे। सीएम ने कहा कि क्षति ग्रस्त मकानों का तत्काल सर्वे कर प्रभावित लोगों को मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना

के तहत आवास व जमीन का पट्टा उपलब्ध कराया जाए। बाढ़ प्रभावित इलाकों में जिन चीजों की आवश्यकता हो, उसके लिए मुख्यमंत्री कार्यालय को तत्काल बताएं ताकि उन चीजों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। वाले बच्चों के लिए दूध की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। कोई भी व्यक्ति जर्जर भवन में न रहे, उसे बिना देर किये बाढ़ शरणालय में शिफ्ट किया जाए। रक्षाबंधन पर महिलाओं को तीन दिन मुफ्त यात्रा का तोहफा सीएम ने रक्षाबंधन के अवसर पर आगामी 8 अगस्त की सुबह से 10 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक यूपीएसआरटीसी व नगरीय बस सेवा की बसों में माताओं–बहनों को निःशुल्क यात्रा की घोषणा करने के साथ पर्याप्त मात्रा में बसें संचालित करने को कहा। उन्होंने कहा कि आगामी 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर तिरंगा यात्रा निकली जाए। स्कूल, कॉलेजों,डिग्री कॉलेजों व अन्य संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित करें। आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भव्य रूप से सभी जगह तिरंगा फहराया जाए तथा राष्ट्रगान गया जाए। हर घर तिरंगा अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि इस राष्ट्रीय अभियान से हर नागरिक को जुड़ना चाहिए।

विगत वर्षों में यूपी का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा है। इस वर्ष प्रदेश में 4. 60 करोड़ तिरंगों को फहराया जाना है। आगामी 8 अगस्त तक तिरंगा बनाने का कार्य पूर्ण कर लिया जाए। 9 अगस्त से 12 अगस्त तक तिरंगा यात्रा, तिरंगा महोत्सव व मेला का आयोजन हो। पेयरिंग में गड़बड़ी करने वालों पर करें कार्रवाई सीएम ने बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि मानक के अनुरूप ही स्कूलों की पेयरिंग की जाए। इस कार्य में अनियमितता बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार तय रेट पर फर्टिलाइजर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर योगी अखिलेश और मायावती ने जताया दुख

लखनऊ,संवाददाता। झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक शिबू सोरेन का आज इलाज के दौरान निधन हो गया है। उसके बाद पूरे देश में शोक की लहर दौड़ पड़ी। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सीएम योगी ने अखिलेश यादव मायावती सहित कई नेताओं ने झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन जी का निधन अत्यंत दुःखद है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! जनजातीय समाज के उन्नयन में उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति एवं उनके शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इसी कड़ी में बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक एवं आदिवासी समाज के जाने–माने दिग्गज नेता शिबू सोरेन का आज इलाज के दौरान निधन हो जाने की खबर अति–दुखद। उनके पुत्र तथा वर्तमान में झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन व उनके परिवार के साथ–साथ उनके समस्त समर्थकों एवं अनुयाइयों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। कुदरत उन सबको इस दुख को सहन करने की शक्ति दे। समाजवादी पार्टी के राट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, आदिवासी, वंचित समाज की बुलंद आवाज, दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का निधन, अत्यंत दुरूखद! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं।

बारिश से बचने के लिए बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर चढ़ी गाय, मची अफरा तफरी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। कई जिलों में नदियां खतरे की निशान से ऊपर बह रही है। ऐसे में इंसान और जानवर परेशान है। इसी कड़ी में राजधानी लखनऊ से बड़ी खबर सामने आई जहां पर एक गाय बारिश से बचने के लिए बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर चढ़ गई। जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक घटना थाना ठाकुर गंज स्थित अली कॉलोनी नियम मंजू टंडन ढाल के पास की है, जहाँ एक गाय रहस्यमयी तरीके से एक बहुमंजिला इमारत की चौथी मंजिल पर चढ़ गई थी। स्थानीय पार्षद गुलशन अब्बास रिजवी को क्षेत्रवासियों द्वारा गाय की जानकारी दी गई। की एक गाय बारिश से बचने के लिए चौथी मंजिल पर चढ गई लोगों को आशंका थी कि कहीं गाय फिसलकर गिर न जाए स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पार्षद गुलशन अब्बास रिजवी ने तुरंत नगर निगम के पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही डॉ. वर्मा ने तत्काल अपनी टीम को घटनास्थल पर भेजा। विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कैटल कैचिंग दस्ते द्वारा बेहद सतर्कता।

भारी बारिश के चलते एक से 12 तक के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित, स्कूल गए बच्चे वापस बुलाए गए

लखनऊ। भारी बारिश के चलते लखनऊ सहित कई जिलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। वैन से रवाना कर दिए गए बच्चे वापस बुलाने के निर्देश दिए गए हैं। लखनऊ में रविवार से हो रही भारी बारिश के चलते एक से लेकर 12वीं तक के सभी बोर्ड के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश पांडेय के द्वारा यह अवकाश घोषित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि जो बच्चे स्कूल के लिए रवाना कर दिए गए हैं उन्हें वापस बुला लिया जाए। आदेश के देर से आने से कई स्कूलों के बच्चे रवाना हो गए थे। मालूम हो कि लखनऊ में बारिश रविवार से लगातार हो रही थी। अन्य जिलों में भी अवकाश घोषित लखनऊ के अलावा रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, बहराइच और अंबेडकर नगर में भी अवकाश घोषित किया गया है। डीएम के द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए। आज 46 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी यूपी में मानसून पूरी तरह से प्रभावी है। आज के लिए प्रदेश के तराई और आगरा मंडल के 15 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 31 अन्य जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट है और 64 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मानसूनी ट्रफ लाइन अभी भी प्रदेश के तराई इलाकों की ओर है। आज तराई व आगरा क्षेत्र में भारी बारिश के आसार हैं। कल रविवार को तराई, पूर्वांचल समेत विभिन्न इलाकों में अच्छी बारिश देखने को मिली। तराई के कई जिलों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। लखीमपुर खीरी और भदोही में सर्वाधिक 120 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं चित्रकूट और प्रतापगढ़ में 110 मिमी, अलीगढ़ में 100 मिमी, वाराणसी, बलिया, प्रयागराज, मिर्जापुर में 90 मिमी बारिश हुई। रविवार की देर शाम गोंडा, बहराइच, सीतापुर, बाराबंकी में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश हुई

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादकः अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिन्टर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

वनखंडी महादेव पर भक्तों ने शिव परिवार के फूलबंगला दर्शन कर ग्रहण की प्रसादी

● पूर्व सभासद नारायण लाल बोले मंदिर में १०० वर्ष से विराजमान है शिवपरिवार ,भक्तों पर बरसती है कृपा

विराजमान शिव परिवार अपने भक्तों पर सदैव कृपा करते रहते है।

(भव्य प्रभात)

हाथरस। भगवान शिव को अतिप्रिय श्रवण मास में शिवभक्त भी अपने आराध्य शिवशंकर को प्रसन्न करने और कृपा पाने के लिये पूजा अर्चना कर रहे है। भगवान शिव को भोग लगाकर प्रसादी का वितरण भी शिवालयों पर किया जा रहा है। श्रवण मास के चतुर्थ सोमवार को भी पूरा नगर शिवभक्ति में डूबा रहा। श्रद्धालुओं ने नगर के प्रमुख मंदिरों एव बाजारों में प्रसादी का वितरण किया गया।

गंगाभीम बगीची स्थिति वनखंडी महादेव मंदिर को रंग बिरंगी लाइट एवँ फूलों से सजाया गया। मंदिर पर विराजमान शिव परिवार के अलौकिक फूलबंगला के दर्शन के लिये भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रातः से ही पूजा अर्चना के साथ देर सायं पूड़ी प्रसाद के साथ खीर एव जलेवी के प्रसाद का वितरण किया गया।मन्दिर पर प्रसादी देर रात तक जारी रही।

पूर्व सभासद नारायण लाल ने भव्य प्रभात के प्रतिनिधि आशीष सेंगर को बताया कि वनखंडी महादेव 100 वर्ष से अधिक समय से विराजमान है। भगवान शिव की कृपा और परिजनों व स्नेही मित्रों की प्रेरणा से मंदिर का जीर्णोद्धार करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्ही की प्रेरणा से श्रवण मास में विभिन्न कार्यक्रम मन्दिर पर आयोजित होते रहते है। यहाँ व्यवस्था में पुनीत पोद्दार , अमन कुमार , हर्षबर्धन , श्रीकृष्ण वर्मा ,विपिन अग्रवाल , हरीश कुशवाह , राजेन्द्र सिंह , सूजल शर्मा , हरप्रसाद माहौर आदि जुटे रहे।

पालिका अध्यक्ष ने किया सीसी रोड निर्माण कार्य का निरीक्षण

(भव्य प्रभात)

हाथरस। अलीगढ़ रोड स्थित गली नं० 3, आनंद पूरी वार्ड नं० 18 में राज्य वित्त के अंतर्गत बनाए जा रहे सीसी रोड निर्माण कार्य का पालिकाध्यक्ष श्रीमती श्वेता चौधरी ने निरीक्षण किया। यह सड़क लगभग 70 मीटर लंबाई में रामप्रसाद के घर से मंदिर तक बनाई जा रही है।निरीक्षण के दौरान पालिकाध्यक्ष ने कार्य की गुणवत्ता को परखा और अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर की जनता को बेहतर मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है।इस अवसर पर क्षेत्रीय सभासद दिनेश उपाध्याय, सभासद सुंदरम शर्मा, सभासद हिमांशु कौशिक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिले के ३९ परिषदीय विद्यालयों का विलय निरस्त

(भव्य प्रभात)

हाथरस। जिले में 39 परिषदीय विद्यालयों के विलय को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी स्वाति भारती ने एक किलोमीटर से अधिक की दूरी स्थानीय परिस्थितियों एवं छात्र हित को देखते हुयें निरस्त कर दिया है निरस्त किये विद्यालयों में हाथरस ब्लॉक के 8 हसायन ब्लॉक के 4 सादावाद ब्लॉक के 3 सहपऊ ब्लॉक के 7 सासनी ब्लॉक के 6 सिकन्द्राराऊ ब्लॉक के 7 एवं मुरसान ब्लॉक के 4 विद्यालय शामिल हैं। 39 विद्यालयों के निरस्तीकरण से विद्यालयों में अध्ययरत छात्र–छात्राओं के अभिभावकों ने राहत महसूस की है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी का गठन

● पत्रकारों की आवाज उठाएगा ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन- जिलाध्यक्ष शंभूनाथ पुरोहित

(भव्य प्रभात)

हाथरस। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन (उ0प्र0) की नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया है। यह घोषणा बुर्ज वाला कुआं स्थित स्पाइसी रेस्टोरेंट में आयोजित एक बैठक के दौरान की गई. जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शम्भूनाथ पुरोहित ने की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण पत्रकारों के हितों की रक्षा करना और संगठन को मजबूत बनाना था। नवगठित कार्यकारिणी में पदाधिकारियों में जिला उपाध्यक्ष विष्णु नागर, जिला उपाध्यक्ष शुभम गुप्ता, जिला महामंत्री गोविंद चौहान, जिला मंत्री हरीबाबू सिंह, कोषाध्यक्ष राजू शर्मा, संगठन मंत्री मुकेश शर्मा, प्रचार मंत्री उमाकांत पुंढीर, कार्यकारिणी सदस्य आकाश शर्मा और मुकेश यादव, सदस्य कृष्णकांत गुप्ता और छोटू पुरोहित को मनोनीत किया है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शम्भूनाथ पुरोहित ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह संगठन ग्रामीण पत्रकारों के लिए एक मजबूत स्तंभ की तरह काम करता रहेगा।

स्वरोजगार स्थापित करने पर मिलेगा पचास हजार का अनुदान

(भव्य प्रभात)

हाथरस। समूह,कलस्टर में स्थापित करें परियोजना स्वरोजगार इकाई, मिलेगा रू–50,000 का अनुदान अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के लिये स्वरोजगार स्थापित करने का सुनहरा अवसर है। जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) सरिता सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पी0एम0–अजय के घटक ग्रान्ट इन एड योजनान्तर्गत ग्रामीण,शहरी क्षेत्रों के अनुसुचित जाति के व्यक्तियों के लिए स्वरोजगार हेतु सुनहरा अवसर है। ग्रान्ट इन एड योजनान्तर्गत अनूसूचित जाति के इच्छुक लाभार्थी कम से कम 03 लोगों का समूह बना कर अथवा क्लस्टर के रूप में अपनी उधोग,व्यवसाय इकाई स्थापित कर सकते हैं इसमें लाभार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण उनके सम्बन्धित व्यवसाय के अनुसार दिया जायेगा एंव प्रति व्यक्ति रू–50,000 अथवा परियोजना लागत का 50 प्रतिशत जो कम हो सहायता अनुदान के रूप देय होगा तथा परियोजना लागत का 5 प्रतिशत लाभार्थी अंशदान एंव शेष धनराशि बैंक के माध्यम से ऋण के रूप में प्राप्त होगी। योजना का लाभ लेने के लिए अनुसूचित जाति के 18 से 50 वर्ष आयु की महिला एंव पुरूष जो साक्षर. हो एंव पूर्व में अनुगम द्वारा संचालित योजना में बकायेदार ना हो। आय सीमा की कोई बाध्यता नहीं हैं, परन्तु रू–2.50 लाखध वार्षिक आय वाले परिवार को प्राथमिकता दी जाएगी इच्छुक लाभार्थी जो अर्हता पूर्ण करते हो आवेदन कर सकते हैं। परियोजनायें, बुटीक, व्यूटीपार्लर, सोलर पैनल, इन्स्टालेशन, टेक्निशियन, लालिस्टिक, वाहन चालक, किराना जनरल स्टोर, आटो ई0–रिक्शा, फोटो ग्राफी, डेयरी, मुर्गा पालन, बकरी पालन, महिला गृह उधोग,स्वतः रोजगार जनसुविधा केन्द्र कार्य आदि व्यापार उधोग स्थापित करने हेतु अनुगम के बेवसाइट http://grant&in&aid-upsfdc-in पर आवेदन कर सकते है अथवा इच्छुक अपने समस्त प्रपत्रों के साथ विकास भवन कमरा नम्बर 204 जिला समाज कल्याण अधिकरी (विकास),पदेन जिला प्रबन्धक, उ0प्र0 अनुसूचित जाति वित्त एंव विकास निगम लि0 जनपद–हाथरस कार्यालय में सम्पर्क कर आवेदन पत्र जमा कर सकते है।

आर्म्स एक्ट के अभियोग में ०१ अभियुक्त को न्यायालय उठने तक व २००० रुपये अर्थदंड की सुनाई सजा

(भव्य प्रभात)

हाथरस। थाना सिकन्द्राराऊ पर पंजीकृत मु0अ0सं0 आर्म्स एक्ट बनाम मानिक चन्द्र पुत्र बालकिशन निवासी भिसी मिर्जापुर थाना सिकन्द्राराऊ जनपद हाथरस के विरुद्ध पंजीकृत कराया गया था ।

अभियोग की विवेचना तत्परता से गुणवत्ता कायम रखते हुए पूर्ण की गयी तथा आरोपी के विरूद्ध आरोप पत्र माननीय न्यायालय में प्रेषित किया गया अभियुक्तों को अधिकाधिक दंडित कराने हेतु शासन के दिशा निर्देशो के क्रम में तथा श्रीमान पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे "ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक हाथरस के निर्देशन में पैरवी हेतु चिन्हित अभियोगों को प्राथमिकता के आधार पर अपने निकट पर्यवेक्षण में मॉनीटरिंग सेल जनपद हाथरस के माध्यम से अभियोग का न्यायालय में विचारण के दौरान सम्यक पैरवी एवं प्रभावी कार्यवाही की गई तथा अभियोजन शाखा द्वारा भी प्रभावी पैरवी की गई ।

माहेश्वरी महिला समिति ने मनाया कजरी तीज उत्सव

अलीगढ़। सोमानी ने बताया महेश्वरी महिला समिति अलीगढ़ द्वारा भादो मास में महेश्वरी की तीज कजरी तीज जब हरियाली की चादर ओढ़े धरती मुस्कुरा उठती है तब जीवन में कजरी तीज की मस्ती घुल जाती है यह पर्व लोकगीतों लोक कथाओं व परंपराओं का अद्भुत संगम है हरियाली तीज और हरितालिका तीज की तरह कजरी तीज का पर्व भी महिलाओं के लिए खास होता है।

अखंड सौभाग्य प्राप्ति के लिए महिलाएं कजरी तीज का व्रत रखती है इसके साथ ही सुहागिन महिलाओं के अलावा कुंवारी कन्याएं भी मनचाहावर पाने के लिए व्रत रखती है इस व्रत में भग. वान शिव और पार्वती की पूजा करने का विध ान है माहेश्वरी महिला समिति अलीगढ़ द्वारा मथुरा रोड स्थित फ्लोरा गार्डन में कजरी तीज का प्रोग्राम बहुत धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम में सभी ने उल्लास और सौहार्द से प्रतिभाग किया कार्यक्रम का शुभा. रंभ माहेश्वरी महिला समिति कार्यक्रम की अध्यक्ष बीना जी गा. दानी राष्ट्रीय कार्य समिति विनीता जी राठी प्रदेश कोषाध्यक्ष रजनी की हरकुट डॉ आभा महेश्वरी पल्लवी राठी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रमिला चोला द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया महिला संगठन की बहनों द्वारा महेश वंदना की गई स्वेता एवं निधि राठी द्वारा ग्रुप डांस किया गया डॉक्टर चारू डॉक्टर सुरभि एवं चांदनी द्वारा सावन की मल्हार पर ग्रुप डांस प्रस्तुत किया गया प्रोग्राम की प्रमुख आकर्षण हमारी अदाकारा है। भूमिका राठी भावना महेश्वरी पायल सोनी सुगंध निधि राठी आदि हीरोइन ने कैटवाक किया इस कार्यक्रम का संचालन प्राची महेश्वरी प्रियंका हरकुट कृति माहेश्वरी द्वारा की गई. बहुत ही सुंदर संचालन गिफ्ट प्रमिला चोला व पूजा सोमानी द्वारा दिए गए तीज मलिक वह तीज क्वीन का चुनाव गेम के द्वारा हुआ जिसमें तीज मल्लिका बनी डॉ चारू महेश्वरी और तीज क्वीन बनी पायल महेश्वरी बहुत ही सुंदर तरीके से जजमेंट किया गया। 40 ऊपर में वाली महिलाओं के लिए तीज मलिक रैंप वॉक कंपटीशन रखा गया था जिसमें डॉक्टर शिव रति प्रतिभा महेश्वरी चांदनी महेश्वरी उमा राठी रिंकी महेश्वरी ने खूब धमाल मचाया कार्यक्रम की सभी भाग लेने वाली महिलाओं को प्राइस देकर सम्मानित किया गया माहेश्वरी महिला समिति की सभी महिलाओं कोषाध्यक्ष मीरा महेश्वरी सरिता माहेश्वरी राधा माहेश्वरी नीरा महेश्वरी, पूजा सोमानी प्रमिला चोला, ज्योति माहेश्वरी मो. निका माहेश्वरी मधुर महेश्वरी सीमा माहेश्वरी रिमझिम महेश्वरी निधि भंसाली प्राची माहेश्वरी प्रियंका हरकत ज्योति महेश्वरी कल्पना महेश्वरी सोनिया महेश्वरी संध्या माहेश्वरी कृतिका माहेश्वरी सुषमा माहेश्वरी आदि मौजूद रहे।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने की कोसिल की बैठक में अपमानजनक टिप्पणी पर रोक लगाने की मांग

अलीगढ़। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने की कोसिल की एक मीटिंग पार्टी कार्यालय दुई जिसकी अध्यक्षता साहित्य के पूर्व प्रा नर सीता रमण ने की तथा संचालन इकबाल ने किया माग किया कि सड़क हो या बद में अशोभनीय वक्तव्य पर रोक लगे–कसी राजनेता को कुछ भी कहने की इजाजत दी जा सकती। ऐसी स्थितियां बनानी हा. कि राजनेता कुछ भी कह देने से पहले दस सोचें। उन्हें लगना चाहिए कि उनके गलत स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसा तभी म है जब हम जागरूक होंगे। अनुचित को स्वीकार करने के लिए सन्नद्ध होंगे। आप क्या कह रहे हैं, से कम महत्वपूर्ण नहीं होता यह कि कोई बात आप कैसे कह रहे है। सड़कों को साफ–सुथरा और समतल बनाने का वादा करने वाला कोई राजनेता यदि यह कहे कि वह श्सड़कों को प्रियंका गांधी के गालों जैसा चिकना बनवा देगा तो इसे सिर्फ एक घटिया अभिव्यक्ति मात्र कहकर या समझकर दर किनार कर देना सही नहीं राजनीतिक नफे नुकसान का गणित लगाने के बाद नेता भले ही अपने कहे पर खेद व्यक्त करदे पर बात यहीं खत्म नहीं होती है। पहली बात तो यह कि हमारे राजनेता अक्सर इस तरह का खेद भले ही व्यक्त कर देते ही, पर अक्सर यह खेद ऊपरी दिखावा मात्र होता है। घटिया सोच वाला कोई व्यक्ति हमारा नेता कैसे हो सकता है, और क्यों होना चाहिए? क्यों न हम ऐसे नेताओं के खिलाफ अभियान छेड़े? उनका बहिष्कार क्यों न हो? राजनीति में नै तिकता का न होना, भले ही कैसी भी विवशता क्यों न हो, स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। इसी तरह शालीनता भी राजनीति को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है। नेता यह होता है जो बेहतर आचरण का उदाहरण प्रस्तुत करे। जिसकी कथनी करनी पर भरोसा किया जा सके। मौन मतदाता को भी तोड़ना होगा। हर जागरूक नागरिक का यह कर्तव्य बनता है कि वह उत्त सब का विरोध करे जो राजनीति में गलत कहा या किया जा रहा है।

भारतीय टीम की जीत पर मनाई खुशी

अलीगढ़। लन्दन के ओवल में आज युब भास्तीय क्रिकेट टीम ने पांचवें टेस्ट के पांचवें दिन काफी रोमांच भरे मैच में इग्लैंड को 8 रन से मात देकर पांच मैचों की श्रृंखला 2–2 की बराबरी कर ली। भारतीय क्रिकेट टीम की इस ऐतिहासिक विजय पर अलीगढ़ स्पोर्टस एसोसियेशान के अध्यक्ष व पूर्व विधायक विवेक बंसल ने आज अपने कार्यालय पर हुए कार्यक्रम में इस ऐतिहासिक विजय से हर्षित कांग्रेसजनों को मिठाई खिलाकर भारतीय क्रिकेट टीम की जीत पर खुशी मनाई। इस अवसर पर विवेक बंसल ने कहा कि मुझे खुशी है कि इस युवा भारतीय टीम ने युवा कप्तान के नेतृत्व में इस ऐतिहासिक विजय हासिल की है, ये देश और हम सबको गर्व हो रहा है मैं भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल और उनकी युवा टीम के सभी साथी खिलाडियों को हार्दिक बधाई देता हूँ ।

चिकित्सा क्षेत्र में सेवाओं के लिए डॉ. कमरान आउटस्टैंडिंग यूथ अवॉर्ड से सम्मानित

(भव्य प्रभात)

अलीगढ़। सासनी गेट स्थित स्काई टावर परिसर में आयोजित अलीगढ़ हेल्पलाइन संस्था द्वारा चिकित्सा को क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान एवं समर्पित सेवाओं के लिए प्रसिद्ध युवा चिकित्सक डॉ. कमरान अली को चिकित्सक श्रेणी में आउटस्टैंडिंग यूथ अवीर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से आमंत्रित मुख्य अतिथि अमेरिकन ऑन्कोलॉजी इंस्टीट्यूट अलीगढ़ के फैकल्टी डायरेक्टर जितेंद्र वाकुर एवं अलीगढ़ हेल्पलाइन के संस्थापक राज सक्सेना सहित अन्य गणामान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से यह सम्मान डॉ० कामरान अली को प्रदान किया हा इस अवसर पर मंच पर उपस्थित अतिथियों ने डॉ कमरान अली के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अलीगढ़ में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में जो सेवा भाव और उत्कृष्टता दिखाई है. वह युवाओं

के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने महामारी के कठिन समय में भी मरीजों की सेवा में अग्रणी म. मिका निभाई और अनेक जरूरत्तम दों को निरूशुल्क परामर्श एवं चिकित्सा सहायता प्रदान की। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत डॉ. कमरान अली ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा यह पुरस्कार मेरे लिए केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि एक नई जिम्मेदारी और प्रेरणा है। मेरा हमेशा यह प्रयास रहा है कि स्वास्थ्य सेवाओं को जन–जन तक पहुंचाया जाए और जो लोग संसाधनों से वंचित है, उन्हें भी बेहतर चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सके। मैं भविष्य में भी पूरी निष्ठा, समर्पण और सेवा भावना के साथ समाज की सेवा करता रहूंगा। इस अवसर पर डॉ० कामरान अली को फरमान खान, गुलफाम अली, सो हिल खान, प्रदीप यादव इमामुद्दीन खान सहित अन्य लोगों ने अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

पीएम-किसान की २०वीं किस्त में सक्रिय भागीदारी से सरकारी पहलों को नया आयाम

(भव्य प्रभात)

अलीगढ़। भारत सरकार द्वारा किसानों के सशक्तिकरण और समावेशी विकास के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों के तहत अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संकाय ने 2 अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रध ाानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) योजना की 20वीं किस्त में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निद, श्शानुसार आयोजित किया गया था और जमीनी स्तर पर सरकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार में एएमयू की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस अवसर पर एएमयू की कुल पत्ति प्रो. नइमा खातून ने माग लिया और किसानों के जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु राष्ट्रीय मिशनों में विश्वविद्यालय की भागीदारी की चर्चा की। उनके साथ भी मुजीबुर रहमान खान (नोडल अधिकारी, पीएम–किसान), प्रो. आरयू खान (जीन, कृषि विज्ञान संकाय), प्रो इकबाल अहमद (समन्वयक, बी. एससी, एग्रीकल्चर) और अन्य वरिष्ठ शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। कृषि विज्ञान संकाय में आयोजित इस लाइव प्रसारण में 150 से में अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 40 से अधिक महिला किसान और छात्र–छात्राएं शामिल थे। कार्यक्रम दस पीएम–किसान लाभार्थियों की उप स्थिति विशेष रही, जिन्होंने किस्त प्राप्त कर अपनी खुशी और आभार व्यक्त किया। प्रध ाानमंत्री के लाइव संबोधन के पश्चात, प्रो. एम.आर. खान ने उपस्थित किसानों से अपील की कि वे अपनी ई–केवाईसी प्रक्रिया शीघ्र पूरी करे, ताकि योजना का लाभ अनवरत मिलता रहे। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ जियाउल हक द्वारा किया गया यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि एएमयू कैसे राष्ट्रीय विकास नीतियों और कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका को सशक्त बना रहा है। विश्वविद्यालय नि रंतर ग्रामीण समुदायों के सश. क्तिकरण में एक महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभा रहा है।

सम्मन वास्ते करार दाद अमर तनकीय तलवी आर्डर-5

कायदा 1 व 5

न्यायालय श्रीमान् प्रधान न्यायाधीश महोदय परिवार न्यायालय हाथरस।

विवाह विच्छेद याचिका संख्या 406 सन 2024

श्रीमती राजवाला पुत्री रामशरण पत्नी बनवारी लाल निवासी अहेरियॉन ,मैन्डू थाना हाथरस जक्शन ,जिला हाथरस।.....याची

बनाम

बनवारी लाल पुत्र रामचन्द्र निवासी शिवराम पार्क ,पुरानी दिल्ली हाल निवासी ओवर गभाना जिला अलीगढ़..... विपक्षी

चूंकि प्रार्थी/याची दीपक ने आपके नाम एक नालिस विवाह याचिका अंतर्गत धारा 13(1) हिन्दू विवाह अधिनिय मैं दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 14 माह 08 सन् 2025 ई0 व वक्त 10 : 00 बजे दिन असालतन या मार्फत वकील के जो हालात मुकद्मा से वाकई वाकिफ किया गया हो और कुल मुकद्मा का जबाब दे सके या जिसके साथ मैं और कोई सख्श हो जो ऐसे सवालों का जबाव दे सकें हाजिर हो और जबावदेही दावों को करे और आपको लाजिम है कि जुमला दस्तावेज को उसी रोज पेश करे जिन पर कि जबावदेही मेंअपनी प्रतिरक्षा में पेश करना चाहते हों आपको इत्तिला दी जाती है अगर आप मजकूरा में हाजिर न हों तो आपकी गैर हाजिरी में एक और फैसिल होगी।

आज व तारीख 31–05– 2025 को मेरे हस्ताक्षर व मौहर इस अदालत से जारी किया गया।

हस्ताक्षर हाकिम

हाथों में गंगाजल व मन में आस्था लिए किया भोले का अभिषेक

सादाबाद के शिव मंदिरों पर सुबह से लेकर देर रात तक उमड़े श्रद्धालु

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। श्रावण माह के आखिरी सोमवार को षिवालयों में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही बम बम भोले, हर हर महादेव की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो गया। सोमवार की सुबह हुई बारिष भी शिवभक्तों की आस्था को डिगा नहीं सकी। भीगे बदन, गीले रास्ते और ठंडी फिजा के बीच भी श्रद्धालु हाथों में गंगाजल और मन में आस्था लिए शिवालयों की ओर रूख किया और वहां पहुंचकर गंगाजल, दूध, षहर, दही आदि से प्रभु का अभिशेक किया। घरों पर रूद्राभिशेक भी कराया गया। प्रसादी का वितरण भी किया गया। हर शिव मंदिर परिसर में श्हर हर महादेव और बम–बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। कहीं बच्चे ढोल–नगाड़ों की थाप पर नाचते नजर आए। कहीं महिलाओं का समूह शिव भजन में तल्लीन दिखा। कई स्थानों पर महिलाओं ने पारंपरिक परिधान पहनकर भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। नगर के प्राचीन बाबा बैजनाथधाम मंदिर, त्यागी कॉलोनी स्थित चिंताहरण नर्मदेष्वर महादेव मंदिर, गांव मिढ़ावली के वनखंडी महादेव मंदिर व अन्य षिवालयों पर श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। यहां षिव का विषेश श्रृंगार किया गया। नगर के बाबा खाटू ष्याम मंदिर पर भी भोले का अभिशेक करने के लिए षिवभक्तों की भीड उमड़ पड़ी। यहां षिव का अभिशेक करने के बाद भक्तों ने ष्याम बाबा के भी दर्षन किए। मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण, जलपान और बारिश से बचाव की भी विशेष व्यवस्था की गई। पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा को लेकर सतर्क रहा।

बिसावर में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। बिसावर में सोमवार की षाम को श्री बांके बिहारी जी मन्दिर पर श्रावण माह के चतुर्थ सोमवार को प्रति वर्ष की भांति बर्फ व रंगों से 12 फीट ऊंचे बाबा बर्फानी की झांकी सजाई गई। झांकी के दर्षनों के लिए काफी संख्या में षिवभक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस मौके पर सभी षिवभक्तों को प्रसादी का वितरण किया गया। मौके पर महंत पण्डित रूपेश गौतम, रामकुमार अग्रवाल, मुन्नालाल अग्रवाल, गोविंद वर्मा, यश अग्रवाल, राजू अग्रवाल, सत्येन्द्र गौतम, सतेंद्र टीटी, गिर्राज प्रसाद पालीवाल, नीरज चौधरी, प्रेमशंकर शर्मा, कन्हैया लाल अग्रवाल, तनुज अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, पवन कुशवाह, प्रवीण अग्रवाल, सोनू शर्मा, आदि थे।

रुक रुक कर हुई बारिश ने बढ़ाई दुश्वारियां, ग्रामीण मार्ग हुए बदहाल

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। सोमवार की सुबह करीब छह बजे रूक रूक कर हुई बारिष से कई जगह जलभराव हो गया। ग्रामीण इलाकों में सार्वजनिक रास्तों पर चलना तक दूभर हो गया, वहीं स्कूल पहुंचने तक के मार्ग बदहाल हो गए। बारिष की वजह से नगर की सुभाश गली, आनंद नगर, बस स्टेंड परिसर, मुरसान रोड, आगरा रोड सहित कई इलाकों में जलभराव हो गया। गांव विधिपुर में सरकारी स्कूल तक पहुंचने तक का मार्ग भी बदहाल हो गया। काफी मुष्किल से एक एक कदम साधकर स्कूली बच्चे स्कूल तक पहुंच सके। वहीं दुपहिया वाहन चालकों को भी काफी दुष्वारियों का सामना करना पड़ा। आगरा चुंगी अंबेडर पार्क के निकट की गढ्डों में तब्दील हो चुकी मुख्य सड़क गढ्डों में पानी भर गया। इससे वाहनों के गुजरने से कई राहगीरों के कपड़े भी खराब हो गए।

२१ लीटर गंगाजल से भरी कांवड लाने पर बेटियों का किया सम्मान

(भव्य प्रभात)

बिसावर। कस्बा बिसावर में कुशवाह समाज की बेटियों के पहली बार राजघाट अलीगढ़ से 21 लीटर गंगाजल से भरी कलश कांवड़ लाने पर सावन के चौथे सोमवार को उनका स्वागत व सम्मान किया गया। पूर्व प्रधान सुरेश चौधरी द्वारा कांवड लाने वालीं वीरमती देवी, राजो देवी, राखी कुमारी, श्वेता कुमारी, अंजली देवी आदि का पटका पहनाकर व फल वितरित कर स्वागत व सम्मान किया। उन्होने कहा कि हमारी बेटियां किसी से कम नहीं है, वह हर क्षेत्र में प्रतिभा का प्रदर्षन कर रही हैं। मौके पर जितेन्द्र चौधरी, महेंद्र गौतम, महिपाल सिंह, सतेन्द्र चौधरी, मनोज चौधरी, मनीष कुमार, अनिल कुमार, जिपं सदस्य ईशान चौधरी, रजनीश कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, बलवीर ,उमेश कुमार आदि थे।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत बेसिक स्कूलों में होंगे देशभक्ति कार्यक्रम

खंड शिक्षाधिकारी पूनम चौधरी ने स्कूला जारी किए दिशा निर्देश

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। हर घर तिरंगा कार्यकम 2025 को लेकर सोमवार को खंड षिक्षाधिकारी सादाबाद पूनम चौधरी ने सादाबाद ब्लाक के समस्त परिशदीय, सहायता प्राप्त व मान्यता प्राप्त विद्यालय के प्रधानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाध्यापकों को दिषा निर्देष जारी किए हैं। खंड षिक्षाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान षुरू किया गया है। इसके तहत पांच अगस्त को सभी विद्यालयों व षहीद स्मारक स्थलों पर स्वच्छता अभियान व दीवारों व बोर्डों पर तिरंगा सजावट की जाएगी। छह अगस्त को तिरंगा रंगोली, चित्रकला, पेंटिंग प्रतियोगिता होगी। सात अगस्तको निबंध व स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित होगी। आठ अगस्त को काकोरी, विभाजिका का लाइव प्रसारण होगा और तिरंगा राखी कार्यषाला का आयोजन होगा। 11 अगस्त को एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत पौधे रोपित किए जाएंगे। 12 अगस्त को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन होगा। 13 अगस्त को विद्यालय भवन पर तिरंगा लाइटिंग की जाएगी। 14 अगस्त को विभाजन विभीशिका दिवस पर रैली का आयोजन होगा। 15 अगस्त को प्रभातफेरी, ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यकम आयोजित होगें।

रक्षाबंधन पर रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की घोषणा पर जताया हर्ष

सादाबाद। आदर्श महिला एव बाल कल्याण संस्था की बैठक सोमवार को स्थानीय कूपा गली स्थित कार्यालय पर हुई। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में निषुल्क बस यात्रा कराए जाने की घोशणा पर हर्श जाहिर किया।

राश्ट्रीय अध्यक्ष रेखा राना ने कहा कि 8 अगस्त की सुबह से 10 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक यूपीएसआरटीसी व नगरीय बस सेवा की बसों में माताओं–बहनों को निःशुल्क यात्रा की घोषणा व पर्याप्त मात्रा में बसें संचालित करने के लिए मुख्यमंत्री ने परिवहन निगम को दिषा निर्देष दिए हैं। महिलाओं और बहनों को राज्य परिवहन की बसों में फ्री यात्रा की सुविधा मिलेगी। इससे महिलाओं व वाहनों को अपने भाइयों के पास जाने में आसानी रहेगी।

आशा सर्वे रजिस्टर एवं उपकेन्द्र मैप न लाने पर वेतन रोकने के निर्देश

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। स्वास्थ्य महकमे द्वारा ब्लॉक सादाबाद में नियमित टीकाकरण माइक्रोप्लान समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, बैठक में एएनएम द्वारा आशा सर्वे रजिस्टर एवं उपकेन्द्र मैप लेकर उपस्थित न होने के कारण समीक्षा बैठक को स्थगित कर दिया गया। इसे लेकर एक दिन का वेतन रोकने के निर्देष दिए गए। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. एमआइ आलम ने सात अगस्त को फिर से बैठक आयोजित किए जाने के निर्देष दिए गए और समस्त एएनएम को आशा सर्वे रजिस्टर एवं उपकेन्द्र मैप अनिवार्य रूप से लाने हेतु निर्देशित किया गया, अन्यथा की स्थिति में माह का वेतन रोकने की चेतावनी दी गई। ब्लॉक सादाबाद की नियमित टीकाकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक यूविन पोर्टल के आधार पर की गयी तथा कम प्रगति वाली एएनएम को स्पष्टीकरण देने के लिए प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया। वीसीसीएम द्वारा समस्त एएनएम को नियमित टीकाकरण सत्रों के दौरान टीका.त लाभार्थियों की शतप्रतिशत प्रविष्टि ससमय यूविन पोर्टल पर चढाने हेतु निर्देशित किया। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी द्वारा कोल्ड चैन में मौजूद वैक्सीन का भौतिक सत्यापन एवं स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन किया गया, जिसमें मानक के अनुसार समस्त वैक्सीनों रखरखाव सही पाया गया। बैठक में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. एमआइ आलम, एसएमओ एनपीएसपी यूनिट डा. प्रीति रावत, वीसीसीएम दिनेश सिंह एवं डब्ल्यूएचओ मॉनिटर के अलावा ब्लॉक सादाबाद के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा. दानवीर सिंह, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डा. बृजेश कुमार आदि थे।

सुभाष गली स्थित हनुमान मंदिर पर हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। सुभाष गली स्थित हनुमान मंदिर पर सोमवार को अखंड रामायण के एक दिवसीय पाठ का समापन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे से पूर्व पंडित पुलिल बिहारी ने पूजा अर्चना की सभी प्रकियाए संपन्न कराईं। सैंकड़ों लोगों ने भंडारे में सहभागिता की। इस अवसर पर मंदिर महंत पवन गौतम, अवधेश गहलोत, सोनू शर्मा, चिंटू गौतम, राहुल मित्तल एड., गोलू गौतम, अनुज उपाध्याय, विशाल मित्तल, आकाश, विनय गुप्ता, मोहित गुप्ता , सौरभ राजपूत आदि भक्त मौजूद रहे।

रूट एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले संयुक्त दूसरे

लंदन। रूट किसी एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले संयुक्त रूप से दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में सुनील गावस्कर की बराबरी कर ली। पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 13 शतक लगाए थे। अब रूट ने भारत के खिलाफ इतने ही शतक लगा लिए हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। इस मैच में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने शानदार प्रदर्शन किया और रिकॉर्ड्स की झड़ियां लगा दीं। वह किसी एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले संयुक्त दूसरे बल्लेबाज बन गए। रूट ने की गावस्कर की बराबरी भारत के खिलाफ दूसरी पारी में जो रूट ने अपने टेस्ट करियर का 39वां शतक पूरा किया। उन्होंने 101 गेंदों में अपना सैकड़ा पूरा किया। भारत के खिलाफ यह उनका 13वां टेस्ट शतक भी है। इसके अलावा इंग्लैंड में यह जो रूट का यह 24वां टेस्ट शतक है, जो घरेलू टेस्ट मैचों में किसी भी खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वाधिक शतक हैं। इससे पहले रिकी पोंटिंग, जैक कैलिस और महेला जयवर्धने ने 23–23 शतक बनाए थे। रूट किसी एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले संयुक्त रूप से दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में सुनील गावस्कर की बराबरी कर ली। पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज

के खिलाफ 13 शतक लगाए थे। अब रूट ने भारत के खिलाफ इतने ही शतक लगा लिए हैं। इस मामले में शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया के सर डॉन ब्रैडमैन हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 19 टेस्ट शतक लगाए। रूट–ब्रूक के बीच चौथी बड़ी साझेदारी 106 के स्कोर पर तीन विकेट गंवा चुकी इंग्लैंड को जो रूट और हैरी ब्रूक का सहारा मिला। दोनों दीवार बनकर डटे रहे और टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया। इस दौरान हैरी ब्रूक ने 91 गेंदो में अपने टेस्ट करियर का 10वां शतक पूरा किया। वह 98 गेंदों में 14 चौके और दो छक्के की मदद से 111 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने चौथे विकेट के लिए जो रूट के साथ 195 रन की साझेदारी निभाई। यह भारत के खिलाफ चौथी पारी में इंग्लैंड की ओर से दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले रूट और बेयरस्टो ने 2022 में एजबेस्टन टेस्ट मैच में इंग्लैंड के सबसे बड़े सफल लक्ष्य का पीछा करते हुए 269′ रन जोड़े थे। वहीं ओवरऑल यह चौथी बड़ी साझेदारी है।

कल्याण से हिसार और फिर विश्व चैंपियनशिप तक, ढाबा मालिक की बेटी वैष्णवी पाटिल चयन ट्रायल में छाई

आगामी विश्व चौंपियनशिप के चयन ट्रायल में वैष्णवी पाटिल अपनी गति और मैट पर दबदबे के साथ छाई रहीं। उन्होंने अगले महीने जगरेब में होने वाली विश्व चौंपियनशिप के लिए महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग में राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए अपनी प्रतिद्वंद्वियों को एक–एक करके मात दी। उनकी रणनीतिक कुशलता और मजबूत डिफेंस को देखते हुए यह विश्वास करना मुश्किल है कि उन्होंने केवल चार साल ही मैट कुश्ती में बिताए हैं। मुंबई के कल्याण में एक ढाबा मालिक की बेटी वैष्णवी ने हालांकि काफी देर से शुरुआत की लेकिन वह इससे दोगुनी तेजी से देश में शीर्ष स्तर पर पहुंच गई हैं। वैष्णवी ने ट्रायल के फाइनल में मुस्कान को 7–2 से हराने के बाद कहा, ''मैंने 2020 के अंत में मैट कुश्ती शुरू की। उससे पहले मैं सिर्फ मिट्टी की कुश्ती ही करती थी। जब मैंने 2016 रियो में साक्षी मलिक को पदक जीतते देखा तो मैंने तय कर लिया कि मुझे क्या करना है, मैं बस इसी खेल को अपनाना चाहती हूं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे पिता एक ढाबा चलाते हैं और मेरी मां गृहिणी हैं। मेरे माता–पिता मेरे लिए सब कुछ संभाल रहे हैं। महाराष्ट्र में ज्यादा अच्छी अकादमियां नहीं थीं तो मैं हिसार आ गई।'' बाईस साल की वैष्णवी सुशील कुमार अखाड़े में कोच जसबीर के अधीन प्रशिक्षण ले रही हैं। वैष्णवी 2016 ओलंपिक चौंपियन, तोक्यो (2021) और पेरिस खेलों (2024) की कांस्य पदक विजेता और सात बार की विश्व पदक विजेता अमेरिकी पहलवान हेलेन मारौलिस को अपना आदर्श मानती हैं। उन्होंने कहा, ''वह एक बेहतरीन पहलवान है। मैं यूट्यूब पर उनके मुकाबले देखती हूं। मैं अपने और देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मुझे विश्व चौंपियनशिप में पदक जीतने का पूरा भरोसा है और अंततः मैं ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं।

भारत के खिलाफ ओवल टेस्ट के 5वें दिन मैदान पर वापसी कर सकते हैं चोटिल क्रिस वोक्स, जो रूट ने किया पुख्ता

अगर इंग्लैंड को जरूरत पड़ी तो ओवल टेस्ट के पांचवें दिन ऑलराउंडर क्रिस वोक्स चोटिल होने के बावजूद मैदान पर वापसी कर सकते हैं। दरअसल, क्रिस वोक्स को पहले दिन कंधे में चोट लग गई थी। तब से वह मैदान पर नहीं उतरे हैं, लेकिन अगर इंग्लैंड को बाकी बचे 35 रन का पीछा करते हुए सीरीज जीतने के लिए उनकी जरूरत पड़ी तो वह 11वें नंबर पर खेलने उतर सकते हैं। फिलहाल, इंग्लैंड के अब भी चार विकेट शेष हैं। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर को ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया की सरकार अंतर्राष्ट्रीय पर्यटों को अपने देश छुट्टियां बिताने के लिए आकर्षित करने के लिए नया टूरिज्म कैंपेन लॉन्च करने जा रही है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार अंतर्राष्ट्रीय पर्यटों को अपने देश छुट्टियां बिताने के लिए आकर्षित करने के लिए नया टूरिज्म कैंपेन लॉन्च करने जा रही है। इस खास अभियान के लिए उसने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। 13 करोड़ डॉलर के इस कैंपेन का नाम है कम ऐंड से जी–डे। इस खास अभियान का मकसद अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को ऑस्ट्रेलिया में छुट्टियां बिताने और टूर प्लान करने के लिए प्रोत्साहित करना है। अभियान की शुरुआत 7 अगस्त से चीन से होगी और उसके बाद इस साल के आखिर तक भारत, अमेरिका, ब्रिटेन जैसे दूसरे बड़े बाजारों में इसे लॉन्च किया जाएगा। कम ऐंड से जी डे कैंपेन का ये दूसरा सीजन है। सबसे पहले इसे अक्टूबर 2022 में लॉन्च किया गया था। ये कैंपेन अगले 2 साल तक चलेगा और इसके खत्म होने तक अंतर्राष्ट्रीय सरकार 2022 से अब तक इसमें 25 करोड़ डॉलर का निवेश कर चुकी होगी। स्पेशल टूरिज्म कैंपेन को जब भारत में लॉन्च किया जाएगा तो सारा तेंदुलकर उसका चेहरा होंगी। अमेरिका में इस कैंपेन के लिए ऑस्ट्रेलिया के महान वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशनिस्ट स्टीव इर्विन के बेटे रॉबर्टन इर्विन चेहरा होंगे। इसी तरह ब्रिटेन में फूड राइटर और टीवी कुक निजेला लॉसन इस अभियान की चेहरा होंगी।

8वां वेतन आयोग कब से लागू होगा? सरकारी कर्मचारियों को वेतन वृद्धि कब देखने को मिलेगी?

भारत भर के केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनभोगी 8वें वेतन आयोग से संबंधित घटनाक्रमों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो उनके वेतन और पेंशन में उल्लेखनीय संशोधन करने वाला है। एम्बिट कैपिटल की एक हालिया रिपोर्ट ने इस प्रत्याशा को और बढ़ा दिया है, जिसमें पारिश्रमिक में 30–34ः की उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। यदि इसे अनुमान के अनुसार लागू किया जाता है, तो यह संशोधित वेतन संरचना 2026 या वित्तीय वर्ष 2027 में लागू होने की संभावना है, जिससे सरकारी खजाने पर लगभग 1.8 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ने की संभावना है। हर दशक में, रक्षा कर्मियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों सहित केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन ढांचे की समीक्षा और संशोधन के लिए एक आयोग का गठन किया जाता है। 7वें वेतन आयोग पर आधारित वर्तमान संरचना जनवरी 2016 में लागू हुई थी। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, 8वें केंद्रीय वेतन आयोग (सीपीसी) के 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत तक लागू होने की उम्मीद है। सरकार ने जनवरी 2025 में आयोग की घोषणा की है, लेकिन अभी तक इसके संदर्भ की शर्तों (टीओआर) को अंतिम रूप नहीं दिया गया है और न ही इसके सदस्यों की नियुक्ति की गई है। आठवाँ वेतन आयोग केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 16 जनवरी, 2025 को आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। यह आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग 1 जनवरी, 2026 से इसके कार्यान्वयन को सुनिश्चित करता है। आयोग के कार्यक्षेत्र में मुआवजा, पेंशन और कल्याणकारी उपायों पर ध्यान देना शामिल है, जिसका उद्देश्य वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप सरकारी कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। आठवें वेतन आयोग का एक प्रमुख आकर्षण 2.28 का प्रस्तावित फिटमेंट फैक्टर है, जिससे न्यूनतम वेतन में 34.1ः की वृद्धि होगी। जनवरी 2026 तक 70ः तक पहुँचने का अनुमान है कि महंगाई भत्ता (क।) संशोधित गणना के लिए मूल वेतन में शामिल कर दिया जाएगा। 8वां वेतन आयोगरू अपेक्षित वेतन संशोधन कोटक का अनुमान है कि न्यूनतम वेतन घ18,000 से बढ़कर लगभग घ30,000 हो सकता है, जो लगभग 1.8 के फिटमेंट फैक्टर को दर्शाता है। इससे संशोधन से प्रभावित केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन में लगभग 13ः की वास्तविक वृद्धि होगी। कुल मिलाकर लगभग 33 लाख केंद्रीय कर्मचारी, जिनमें से अधिकांश ग्रेड ब श्रेणी के हैं, को सबसे अधिक लाभ होने की संभावना है। ग्रेड ब कर्मचारी केंद्र सरकार के कर्मचारियों का लगभग 90ः हिस्सा बनाते हैं।

93 साल में पहली बार! एक सीरीज में पांच भारतीयों के 400+ रन, शुभमन ने 59 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन। गिल एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा बाउंड्रीज (चौके–छक्के) लगाने वाले भारतीय भी बन गए। उन्होंने मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर 97 बाउंड्रीज लगाईं। इनमें 85 चौके और 12 छक्के शामिल हैं। भारत ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पहली बार किसी टेस्ट सीरीज में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने 400 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, केएल राहुल, ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल शामिल रहे। वहीं, गिल ने वेस्टइंडीज के महान सर गैरी सोबर्स का 59 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार टीम इंडिया 1932 से टेस्ट क्रिकेट खेल रही है और 93 साल में पहली बार एक टेस्ट सीरीज में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने 400 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे रहे शुभमन गिल, जिन्होंने 10 पारियों में 754 रन ठोके। उनके बाद केएल राहुल ने 10 पारियों में 532 रन, रवींद्र जडेजा ने 516 रन, ऋषभ पंत ने सिर्फ सात पारियों में 479 रन और यशस्वी जायसवाल ने 10 पारियों में 411 रन बनाए। यह आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय बल्लेबाजों की निरंतरता और सामूहिक प्रदर्शन ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। भारत ने अपने प्रदर्शन से न सिर्फ विरोधी टीम पर दबाव बनाया, बल्कि यह दिखाया है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल है।

भव्य प्रभात

स्वदेशी का संकल्प

ट्रंप की टैरिफ दादागीरी और तमाम देशों के आर्थिक संरक्षणवाद से भारत के लिए उभरी आर्थिक चुनौतियों के बीच स्वदेशी का मंत्र ही एक कारगर विकल्प सिद्ध हो सकता है। वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि संकल्प लें कि हम अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना संकट के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति शृंखला डगमगाई थी, तब भी प्रधानमंत्री ने देश में स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया था। निस्संदेह, इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन हकीकत है कि अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हुए। आज के ऐसे दौर में जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं घोर संरक्षणवाद का सहारा ले रही हैं, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को स्वदेशी के संकल्प से ही संरक्षण देना होगा। ये कदम मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में अपरिहार्य हैं क्योंकि दुनिया के तमाम देश अपने–अपने आर्थिक हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर अन्यायपूर्ण ढंग से लगाया गया 25 फीसदी का टैरिफ इस कड़ी का ही विस्तार है। ऐसे वक्त में जब भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तो हमें घरेलू अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य सुधारने को अपनी प्राथमिकता बनाना ही होगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है। इसमें दो राय नहीं कि स्वदेशी का संकल्प देश की वर्तमान जरूरत है, लेकिन देश के उद्यमियों को भी सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी वस्तुओं का विकल्प गुणवत्तापूर्ण हो। आज के उपभोक्तावादी युग में लोग गुणवत्ता से समझौता करने को तैयार नहीं होते। उद्यमियों को सोचना होगा कि कैसे चीन के उद्यमी कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार को भी उद्योग व व्यापार जगत पर नौकरशाही के शिकंजे को कम करना होगा। उत्पादन क्षेत्र को हमें उस स्तर तक ले जाने के लिये अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा, जहां गुणवत्तापूर्ण सस्ते उत्पाद तैयार किए जा सकें। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर–अब आगे क्या?

के विश्वदेव राव

पहलगाम के भयावह आतंकी हमले के बाद, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से जिस दृढ़ता और गति के साथ प्रतिक्रिया दी, वह देश की सैन्य तत्परता का एक उल्लेखनीय उदाहरण था। इस ऑपरेशन ने भारतीय सशस्त्र बलों की दक्षता और सीमा पार जाकर हमला करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित किया, जिससे स्पष्ट हो गया की भारत अब अपनी सुरक्षा के साथ किसी भी समझौते के लिए तैयार नहीं है। पहलगाम हमले के बाद संसद में हुई बहस में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अपनी कार्रवाई का जोरदार बचाव किया। सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और सके। अब गौर करें पहलगाम जैसे बड़े हमले पर तो एक बात तो कचोटती है, किसी भी संस्थागत जवाबदेही, किसी इस्तीफे या किसी परिचालन ऑडिट के सार्वजनिक होने की कोई खबर नहीं आई। यह लोकतांत्रिक पारदर्शिता के सिद्धांतों के विपरीत है। ऐसे मामलों में पारदर्शिता कमजोरी का संकेत नहीं होती, बल्कि यह एक मजबूत लोकतंत्र की पहचान होती है। यह महत्वपूर्ण है कि राष्ट्र सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को व्यक्तियों के संकल्प के बजाय संस्थागत प्रणालियों के दृष्टिकोण से देखना चाहिए, परन्तु, राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उन प्रणालियों में सुधार करना आवश्यक है जो कार्यालय में कौन है, पर लौटना था। इंदिरा गांधी ने शिमला समझौता (1972) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से सभी विवादों को सुलझाने का एक ढाँचा स्थापित किया। अटल बिहारी वाजपेयी ने लाहौर घोषणा (1999) के माध्यम से, बस से लाहौर की यात्रा की, जो दोनों देशों के बीच शांति की एक प्रतीकात्मक पहल थी। कारगिल युद्ध ने इन प्रयासों को बाधित कर दिया। इसके बाद भी, उन्होंने आगरा शिखर सम्मेलन (2001) के माध्यम से शांति बहाल करने का प्रयास किया। वाजपेयी की नीति को आतंकवाद को अस्वीकार करते हुए शांति की कोशिश कहा जा सकता है। वहीँ मनमोहन सिंह सरकार

इसके परिणामस्वरूप भारत को दुनिया भर के देशों से मिले समर्थन को रेखांकित किया। भारत के विदेश मंत्री का मुख्य जोर इस बात पर था कि भारत अब एक ऐसा राष्ट्र है जो अपनी सुरक्षा पर आंच आने पर निर्णायक कार्रवाई करता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह हमला ष्पड़ोसी देश द्वारा प्रायोजितष् था और भारत की जवाबी कार्रवाई आत्मरक्षा में की गई थी। उन्होंने ऑपरेशन की गोपनीयता और सामरिक सफलता पर जोर दिया। सरकार का यह तर्क भी सही है कि इस तरह के संवेदनशील मामलों में सार्वजनिक बहस से सेना का मनोबल प्रभावित हो सकता है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक हो सकता है। अब सवाल यह उठता है कि, कितनी बार हम जवाबी कार्यवाही करेंगे? कितनी बार हम शांति वार्ता की पहल करेंगे? कितनी बार निर्दोष भारतियों को अपनी जान गवानी पड़ेगी ? संसद में विपक्ष ने सरकार की प्रतिक्रिया की सराहना तो की, लेकिन साथ ही कई महत्वपूर्ण सवाल भी उठाए। विपक्ष ने एक बात तो सही कही कि सरकार केवल जवाबी कार्रवाई पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जबकि हमले को रोकने में हुई चूक पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। विपक्ष ने इस बात पर भी जोर दिया कि एक मजबूत राष्ट्र की पहचान सिर्फ प्रतिक्रिया देने की क्षमता से नहीं होती, बल्कि हमलों को रोकने की उसकी क्षमता से भी होती है। राहुल गाँधी, प्रियंका गाँधी, अखिलेश यादव और अन्य विपक्षी नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा केवल प्रेस ब्रीफिंग तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि संसद में इसकी गहन जांच होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा इस पर ध्यान दिए बिना प्रभावी ढंग से कार्य करती रहें। आने वाली पीढ़ियों को एक स्पष्ट दृष्टिकोण और समझ देना भी उतना ही जरूरी है, जो इतिहास या विरासत में हमे मिला नहीं । हर हमले के बाद हम सोचते है की क्या किया जाए? हमला कैसे हुआ और उसे आगे होने से कैसे रोकना है इस पर भी मंथन जरूरी है जो पूर्व की सरकारों में नहीं किया गया। भारत की निवारक नीति अभी भी काफी हद तक अपरिभाषित है। कारगिल, उरी, बालाकोट और अब पहलगाम जैसी घटनाओं पर प्रतिक्रियाएँ जोरदार रही हैं, लेकिन एक स्पष्ट सार्वजनिक सिद्धांत की अनुपस्थिति रणनीतिक अस्पष्टता को जन्म देती है। यह महत्वपूर्ण है कि भारत एक स्पष्ट सुरक्षा सिद्धांत विकसित करे जो सीमा पार प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करे, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों का इतिहास हमेशा से ही जटिल रहा है, जिसमें युद्ध, तनाव और शांति प्रयासों का मिश्रण रहा है। जवाहर लाल नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी तक, हर प्रधानमंत्री ने अपने–अपने तरीके से इस चुनौती का सामना किया है। जवाहरलाल नेहरू ने पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की उम्मीद की थी। कश्मीर पर 1947–48 के युद्ध और अन्य विवादों ने इस उम्मीद को कम कर दिया। नेहरू की नीति अक्सर ष्रणनीतिक संयमष् और ष्आशावादष् पर आधारित थी। वहीँ लाल बहादुर शास्त्री ने ताशकंद घोषणा (1966) पर हस्ताक्षर किए। इस घोषणा का उद्देश्य शांति बहाल करना और पूर्व–युद्ध स्थिति ने पाकिस्तान पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव बनाने पर जोर दिया, लेकिन सीधे सैन्य कार्रवाई से परहेज किया। इस काल में शांति वार्ता अक्सर आतंकवाद के मुद्दे पर रुक जाती थी। नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2014 में अपने शपथ ग्रहण समारोह में नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था यह सोचकर की संबंध सुधरेंगे पर उरी (2016) और पुलवामा (2019) जैसे हमलों के बाद, भारत ने अपनी नीति में एक बड़ा बदलाव किया। सर्जिकल स्ट्राइक (2016) और बालाकोट एयर स्ट्राइक (2019) जैसी कार्रवाइयों ने दिखाया कि भारत अब केवल राजनीतिक दबाव पर निर्भर नहीं है, बल्कि सीमा पार जाकर आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाने के लिए भी तैयार है।

इस नीति को अक्सर नया सामान्य कहा जाता है, जहाँ शांति वार्ता आतंकवाद के पूर्ण खात्मे से जुड़ी है। वर्तमान मोदी सरकार अब केवल शांति वार्ता पर निर्भर नहीं है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक सैन्य कार्रवाई को भी अपने कूटनीतिक टूलकिट का हिस्सा मानती है। पहलगाम हमले के बाद सबसे बड़ा सवाल संस्थागत जवाबदेही का है। एक बड़े हमले और सैन्य ऑपरेशन के बावजूद, किसी भी अधिकारी की जवाबदेही तय नहीं की गई, न ही किसी सार्वजनिक ऑडिट की बात हुई। ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य शक्ति का एक बेहतरीन उदाहरण है। हमें अपनी प्रतिक्रियात्मक क्षमता पर गर्व करना चाहिए, लेकिन उससे इतर हमारी प्राथमिकता हमलों को होने से रोकने की होनी चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती अब केवल सीमा पार की चुनौतियों से नहीं, बल्कि हमारे अपने सुरक्षा तंत्र में मौजूद खामियों को दूर करने की है।

मेथी दाना एक देसी स्किनकेयर हीरो है जिसमें स्किन को हल्का करने और हील करने की गजब की ताकत होती है। इसकी मदद से ना सिर्फ पिग्मेंटेशन धीरे–धीरे कम होती है, बल्कि यह स्किन टोन को इवन लुक देने के साथ–साथ ग्लो भी लेकर आता है।

आज के समय में हम सभी कई तरह की स्किन समस्याओं से जूझना पड़ता है। इन्हीं में से एक है पिग्मेंटेशन। पिग्मेंटेशन के चलते स्किन की नेचुरल ब्यूटी कहीं छिप जाती है और इससे निपटने के लिए हम सभी तरह–तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स में इनवेस्ट करना शुरू कर देते हैं। जबकि आपकी इस समस्या का हल किचन में रखे एक सिंपल से मसाले में छिपा है और वह मसाला है मेथीदाना।

मेथी दाना एक देसी स्किनकेयर हीरो है जिसमें स्किन को हल्का करने और हील करने की गजब की ताकत होती है। इसकी मदद से ना सिर्फ पिग्मेंटेशन धीरे–धीरे कम होती है, बल्कि यह स्किन टोन को इवन लुक देने के साथ–साथ ग्लो भी लेकर आता है।

अगर आप इसे अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करना चाहती हैं तो ऐसे में मेथीदाने की मदद से सीरम बनाया जा सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मेथीदाने से बनने वाले सीरम के बारे में बता रहे हैं, जिसकी मदद से आप भी पिग्मेंटेशन से छुटकारा पा सकती हैं–

मेथी का सीरम बनाने के लिए क्या–क्या चाहिए

– 1 बड़ा चम्मच मेथी दाना
– 1½ कप पानी
– 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल
– 2–3 बूंद विटामिन ई ऑयल या 1 कैप्सूल
– 1–2 बूंद टी ट्री ऑयल या रोजहिप ऑयल

मेथी का सीरम कैसे बनाए

– रात को 1 चम्मच मेथी को 1½ कप पानी में भिगोकर रख दें। 6–8 घंटे बाद ये अच्छे से फूल जाएगी।

– सुबह उसी पानी के साथ मेथी को 5–7 मिनट धीमी आंच पर उबाल लें। पानी थोड़ा हल्का भूरा और जेल जैसा हो जाएगा। फिर ठंडा होने दें।

– अब इसे सूती कपड़े या छन्नी से छान लें। जो पानी निकलेगा, वही मेथी का एक्सट्रेक्ट है।

– अब इसे किसी साफ बोतल या कटोरी में डालें।

– अब इसमें एलोवेरा जेल, विटामिन ई ऑयल व 1–2 बूंद टी ट्री या रोजहिप ऑयल डालकर मिक्स कर लें।

होममेड सीरम कैसे लगाएं

रात को फेस वॉश के बाद कुछ बूंदें उंगलियों पर लें और चेहरे पर हल्के हाथों से लगाएं।

जहां दाग या पिगमेंटेशन है, वहां ज्यादा फोकस करें।

इसे पूरी रात लगे रहने दें और सुबह गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

आप इसे हर रात लगा सकती हैं।

गहरा बैंगनी रंग, खट्टा–मीठा स्वाद और हल्का सा कसैलापन लिए जामुन को नमक के साथ खाने में काफी मजा आता है। क्या आप जानते हैं कि जामुन की चटनी खाने के स्वाद को दोगुना बढ़ा सकती है। हम आपके साथ जामुन की चटनी की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं।

जब भी मानसून शुरू होता है, तो मार्केट में जामुन भी आने लगते हैं। गहरा बैंगनी रंग, खट्टा–मीठा स्वाद और हल्का सा कसैलापन लिए जामुन को नमक के साथ खाने में काफी मजा आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जामुन को स्टोर करके उससे कई सारी रेसिपीज भी बनती हैं। कुछ लोग जामुन का जैम, खट्टा–मीठा जूस और चटनी आदि ब्रेड से लेकर पराठे के साथ अच्छा लगता है।

हालांकि कई लोग जामुन की चटनी बनाने में संकोच करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जामुन की चटनी खाने के स्वाद को दोगुना बढ़ा सकती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ जामुन की चटनी की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं।

सामग्री

ताजे जामुन– 250 ग्राम
गुड़– 1½ कप
हरी मिर्च– 1–2
अदरक– 1 इंच का टुकड़ा
इमली का गूदा– 1 छोटा चम्मच
जीरा पाउडर– 1½ चम्मच
काला नमक – स्वादानुसार
सफेद नमक – स्वादानुसार
लाल मिर्च पाउडर– 1¼ चम्मच
चाट मसाला– 1½ चम्मच
राई– 1½ चम्मच
हींग– 1¼ चम्मच
पानी आवश्यकतानुसार

ऐसे बनाएं जामुन की खट्टी–मीठी चटनी

सबसे पहले जामुन को अच्छे से धो लें, फिर गूदे को अलग कर लें। आप चाहें तो जमानु को हल्का सा उबालकर ठंडा कर सकती हैं। जिससे कि जामुन का गूदा आसानी से निकल जाए। अगर जामुन हल्का कच्चा या कसैला हो। ऐसे में इनको 2–3 मिनट उबालना काफी अच्छा ऑप्शन होगा।

अब एक ब्लेंडर जार में जामुन का गूदा, हरी मिर्च, गुड़, इमली का गूदा, जीरा पाउडर, कद्दूकस किया हुआ अदरक, काला नमक, सफेद नमक, लाल मिर्च पाउडर और चाट मसाला डालें।

फिर जार में थोड़ा सा पानी डालकर स्मूथ पेस्ट बना लें। ध्यान रखें कि इस पेस्ट को ज्यादा पतला नहीं होना चाहिए, इसलिए पानी धीरे–धीरे डालें और फिर जरूरत के हिसाब से एडजस्ट करें।

इसके बाद छोटे से पैन या कड़ाही में तेल गर्म करें। तेल गर्म होने पर इसमें राई डालें और चटकने दें। इससे चटनी का स्वाद दोगुना हो जाएगा और यह थोड़ा गाढ़ी भी हो जाएगी। इसको लगातार चलाते रहें, जिससे कि यह नीचे नहीं लगे।

अब हींग डालकर थोड़ी देर भूनें और फिर जामुन की चटनी में मिला दें। आप चाहें तो तड़के वाले पैन में चटनी को डालकर 2–3 मिनट के लिए धीमी आंच पर पका सकते हैं।

फिर चटनी को ठंडा होने दें और ठंडी होने पर यह गाढ़ी हो जाएगी। इस तरह से स्वादिष्ट और अनूठी जामुन की चटनी तैयार हो जाएगी। आप चाहें तो इसको एटरटाइन कंटेनर में स्टोर करें और फ्रिज में रखें। यह 5–7 दिनों तक ताजी रहेगी।

जब भी मसालों को खाने में शामिल किया जाता है तो उसका स्वाद आप अपने टेस्ट बड पर महसूस करती हैं। लेकिन खाने में मसाले डालने के बाद भी वह स्वाद ही महसूस नहीं हो रहा, तो यह एक संकेत है कि मसाले अब अपना असर नहीं दिखा रहे।

खाने का असली स्वाद उसके मसालों में छिपा होता है। यही हमारे खाने की जान होते हैं।

अगर खाने में मसाले थोड़े भी कम या ज्यादा हो जाएं तो इससे खाने का पूरा स्वाद ही बिगड़ जाता है। लेकिन क्या हो अगर यही मसाले बासी हो जाएं। जी हां, अगर मसाले बहुत पुराने या बासी हो जाते हैं तो इससे स्वाद पर काफी गहरा असर पड़ता है।

बहुत से लोग यह मानते हैं कि सूखे मसाले सालों–साल तक खराब नहीं होते, जबकि वास्तव में एक वक्त के बाद यह भी फ्रेश नहीं रह पाते हैं और उनकी खुशबू से लेकर रंगत व स्वाद काफी हद तक बदल जाता है। हवा के संपर्क में आने से उनका रंग, खुशबू व स्वाद धीरे–धीरे ये सब गायब होने लगता है। फिर चाहे जितना मर्जी डाल लो, खाने में वो स्वाद ही नहीं आ पाता। इसलिए जरूरी है कि समय–समय पर अपने मसालों की जाँच करते रहो।